Patrika (Indore), 15th March 2020, Page-2

प्रदेश में पढ़ रहे 600 से ज्यादा विदेशी छात्र

आईआईटी ने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों के विदेश आने-जाने पर लगाई अस्थायी रोक

इंदौर. चीन से दुनिया के कई देशों में फैल चुका कोरोना वायरस भारत भी आ चुका है। विदेश से आने वाले भारतीयों की एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का अमला संदिग्धों को आइसोलेशन में रखे है। इस दहशत के बीच प्रदेश के अलग-अलग कॉलेजों में करीब 600 से ज्यादा विदेशी छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं। हालांकि, लंबे समय से भारत में रहने से इन पर कोई असर नजर नहीं आया। कोरोना के डर से आईआईटी इंदौर ने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विदेश जाने और आने वाले छात्र-छात्राओं पर भी रोक लगा दी है।

ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की सालाना रिपोर्ट के अनुसार गत वर्ष देश में 47 हजार 427 विदेशी विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें 73.4 फीसदी स्नातक कोर्स के, 16.15 फीसदी स्नातकोत्तर कोर्स और 10.4 फीसदी पीएचडी, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एमफिल और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए आए। मध्यप्रदेश की बात करें तो 662 विदेशी विद्यार्थी यहां के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने आए हैं। इनमें 488 विद्यार्थी स्नातक, 1 स्नातकोत्तर डिप्लोमा, 1 डिप्लोमा, 117 सर्टिफिकेट, 6 इंटीग्रेटेड कोर्स और 45 विद्यार्थी अन्य कोर्स के हैं। स्वास्थ्य विभाग विदेशी विद्यार्थियों को लेकर भी सतर्क है। सीएमएचओ डॉ.प्रवीण जड़िया का कहना है कि विदेशी विद्यार्थियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले ऐसे विद्यार्थी पिछले दो महीने के भीतर विदेश से आए हैं संस्थानों को उनकी जानकारी भी अनिवार्य रूप से देना होगी।

सबसे ज्यादा नेपाल के विद्यार्थी

भारत में पढ़ने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों में सबसे ज्यादा 26.88 फीसदी विद्यार्थी सिर्फ नेपाल से हैं। इसके बाद अफगानिस्तान के 9.8 फीसदी, बांग्लादेश के 4.38 फीसदी, सूडान के 4.02 फीसदी, भूटान के 3.82 फीसदी, नाइजीरिया के 3.4 फीसदी, अमरीका के 3.2 फीसदी, यमन के 3.2 फीसदी, श्रीलंका के 2.64 फीसदी और इरान के 2.38 फीसदी हैं।

आईआईएम के 29 विद्यार्थी फ्रांस में, सभी सुरक्षित

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), इंदौर ने कोरोना के कारण दीक्षांत समारोह स्थगित कर दिया है। इस समय संस्थान के 29 विद्यार्थी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत फ्रांस में हैं। प्रबंधन इन सभी से लगातार संपर्क बनाए है। सभी छात्र-छात्राएं संक्रमण से सुरक्षित हैं। परीक्षाएं चलने से अभी छुट्टियां घोषित नहीं की लेकिन हर कक्षा में सेनेटाइजर रखकर हाथ धोना अनिवार्य किया है।